

بلده

بلده (balla.de)، یا قصه منظوم، گونه ای نظم که درباره دو یا چند رویداد مرتبط به هم نوشته می شود. حضور شاعر در جریان قصه با نام قهرمان لیریکی از ویژگیهای این نوع ادبی است. بلده نخستین بار در ادبیات فرانسه، ایتالیا و اسپانیا پیدا شده است. میرزا تورسونزاده، میرسعید میرشکر، باقی رحیم زاده و مؤمن قناعت، شماری از ادیبان معاصر تاجیکستان هستند که بلده سروده اند.

منابع: آفاق غزل فارسی، ۱۳۴؛ تاریخ ادبی ایران، ۲۶۳/۳؛ دایرة المعارف ادبیات و صنعت تاجیک، ۲۳۵/۱؛ دایرة المعارف شوروی تاجیک، ۳۶۲/۱؛ زیب سسخن، ۱۶۰/۱، ۱۶۴؛ زیبایی شناسی در هنر و طبیعت، ۷۰؛ فرهنگ اصطلاحات ادبی، داد، ۴۵ - ۴۶؛ فرهنگ اصطلاحات ادبیاتشناسی، ۱۷؛ فرهنگ بلاغی - ادبی، ۸۹۴/۲؛ نظریه ادبیات، ۱۳۶ - ۱۳۷.

قبادیانی

Баллада

Баллада, ё қиссаи манзум, гунае назм, ки дар бораи ду ё чанд руйдоди муртабит ба ҳам навишта мешавад. Ҳузури шоир дар чараёни қисса бо номи қаҳрамони лирикӣ аз вежагиҳои ин навъи адабӣ аст. Баллада нахустин бор дар адабиёти Фаронса, Итолиё ва Испониё пайдо шудааст. Мирзо Турсунзода, Мирсаид Миршакар, Боқӣ Раҳимзода ва Муъмин Қаноат шуморе аз адибони муосири Тоҷикистон ҳастанд, ки баллада сурудаанд.

Манбаъҳо: Офоқи ғазали форсӣ, 134; Таърихи адабии Эрон, 3/263; Энциклопедияи адабиёт ва санъати тоҷик, 1/235; Энциклопедияи советии тоҷик, 1/362; Зеби сухан, 1/160; Зебоишиносӣ дар ҳунар ва табиат, 70; Фарҳанги истилоҳоти адабӣ, Дод, 45-46; Фарҳанги истилоҳоти адабиётшиносӣ, 17; Фарҳанги балоғӣ-адабӣ, 2/894; Назарияи адабиёт, 136-137.

Қубодиёни

Донишномаи адаби форсӣ. Адаби форсӣ дар Осиёи Миёна. – Теҳрон:
Интишороти вазорати фарҳанг ва иршоди исломӣ, 1380, ҷ. 1,
сах. 199.